

## आधुनिक युग में वित्तीय जागरूकता महत्वपूर्ण



रांची | एक्सआईएसएस ने भारतीय रिजर्व बैंक की राष्ट्रव्यापी शैक्षिक पहल के तहत वित्तीय समावेशन व साक्षरता पर सत्र का आयोजन किया। आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने डिजिटल लेनदेन के इस दौर में वित्तीय साक्षरता की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। धोखाधड़ी मामलों को लेकर विस्तृत चर्चा की।

**PRESS:DAINIK BHASKAR**

# केवल 27% के पास वित्तीय ज्ञान : प्रेम रंजन

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची ने भारतीय रिजर्व बैंक की राष्ट्रव्यापी शैक्षिक पहल आरबीआई 90 के तहत मंगलवार को वित्तीय समावेशन और साक्षरता पर एक सत्र का आयोजन किया। क्षेत्रीय निदेशक भारतीय रिजर्व बैंक, प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने सत्र के दौरान डिजिटल लेनदेन के इस दौर में वित्तीय साक्षरता की भूमिका पर चर्चा की। बताया कि भले ही भारत दुनिया में कुल डिजिटल लेनदेन का लगभग 48% योगदान देता है, लेकिन देश में केवल 27% आबादी के पास वित्तीय



ज्ञान है और मात्र 17% छात्र ही पर्याप्त वित्तीय जागरूकता रखते हैं। यह अंतर दर्शाता है कि वित्तीय शिक्षा की अत्यधिक आवश्यकता है। सत्र के दौरान डिजिटल भुगतान और बढ़ते धोखाधड़ी के मामलों को लेकर चर्चा की गयी। बचाव के

उपाय भी बताये गये। डीन एकेडमिक डॉ॰ अमर एरोन तिग्गा ने वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय साक्षरता को समझने पर जोर दिया। मौके पर सहायक महाप्रबंधक अरविंद एक्का व प्रबंधक सोहन आदि उपस्थित थे।

**PRESS:PRABHAT KHABAR**

# वित्तीय साक्षरता को समझने के महत्व पर दिया जोर

जासं, रांची : एक्सआइएसएस रांची ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की राष्ट्रव्यापी शैक्षिक पहल आरबीआई@90 के तहत वित्तीय समावेशन और साक्षरता पर एक सत्र का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य पूरे देश में 90 संस्थानों में वित्तीय जागरूकता फैलाना है। यह सत्र मंगलवार को संस्थान परिसर में प्रेम रंजन प्रसाद सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, आरबीआई, द्वारा लिया गया। उन्होंने डिजिटल लेनदेन के इस दौर में वित्तीय साक्षरता की अहम भूमिका की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भले ही भारत दुनिया के कुल डिजिटल लेनदेन का लगभग 48 प्रतिशत योगदान देता है लेकिन देश में केवल 27 प्रतिशत आबादी के पास वित्तीय ज्ञान है और मात्र 17 प्रतिशत छात्र ही पर्याप्त वित्तीय जागरूकता रखते हैं। यह अंतर दर्शाता है कि वित्तीय शिक्षा की आवश्यकता है। वित्तीय जागरूकता को आधुनिक युग की सबसे महत्वपूर्ण साक्षरता बताया गया। डिजिटल भुगतान और बढ़ते धोखाधड़ी मामलों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें विभिन्न



एक्सआइएसएस में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में शामिल वित्तीय विशेषज्ञ व प्रतिभागी • जागरण

धोखाधड़ी के उदाहरणों के साथ उनसे बचाव के उपाय भी बताए गए। एक अन्य सत्र में धोखाधड़ी से बचाव के उपायों पर जोर दिया गया, जिसमें प्रमुख सुरक्षा उपायों जैसे अज्ञात लिंक पर क्लिक न करना, ओटीपी या पासवर्ड साझा न करना, भुगतान प्राप्त करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन न करना, आदि पर चर्चा की गई। इसके अलावा आरबीआई हेल्पलाइन नंबर (1930) और

आधिकारिक वेबसाइट को धोखाधड़ी की रोकथाम और समाधान के लिए प्रमुख संसाधन के रूप में उजागर किया गया। सत्र के अंत में डा. अमर एरोन तिग्गा, डीन एकेडमिक्स ने वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय साक्षरता को समझने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को आरबीआई में समर इंटरशिप के अवसरों की खोज करने की भी सलाह दी। इस

सत्र में आरबीआई कार्यालय के अधिकारी अरविंद एक्का, सहायक महाप्रबंधक और सोहन, प्रबंधक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन एक क्विज प्रतियोगिता के साथ हुआ, जिसने वित्तीय अवधारणाओं को रोचक तरीके से दोहराने में मदद की। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिससे छात्रों के लिए यह सीखने का एक उत्साहजनक अनुभव बन गया।

**PRESS:DAINIK JAGRAN**



## RBI Regional Director addresses Financial Inclusion & Literacy Session at XISS



PNS : RANCHI

Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, organised an insightful session on Financial Inclusion and Literacy as part of Reserve Bank of India (RBI's) nationwide educational initiative, "RBI @90", which aims to spread financial awareness across 90 institutions in India. The session was conducted by Prem Ranjan Prasad Singh, Regional Director, Reserve Bank of India (RBI) in the campus on Tuesday.

In the session, Singh highlighted the critical role of financial literacy in an era dominated by digital transac-

tions. He mentioned that while India accounts for nearly 48% of the world's digital transactions, financial knowledge remains limited at only 27% of the population and merely 17% of students possess adequate financial awareness. This gap underscores the urgent need for financial education. The session covered topics of importance where being financially aware was considered the best kind of literacy these days. The highest concern amidst digital payments and rising frauds cases were discussed in detail by giving examples of such cases and ways to handle them. Another

session on fraud awareness & prevention stressed on the key safety measures, including never clicking on unknown links, not sharing OTPs or passwords, avoiding QR code scans for receiving payments etc. RBI Helpline Number (1930) and official website ([www.rbi.org.in](http://www.rbi.org.in)) were highlighted as resources for fraud prevention and any fraud reporting resolution. Later in the session, Dr Amar Eron Tigga, Dean Academics, highlighted the importance to understand financial literacy to ensure financial stability in life. He also advised students to explore the career opportunities of Summer Internships at RBI. The session was also attended by officers of the RBI Office, Arvind Ekka, AGM, and Sohan, Manager. The event concluded with a quiz competition, reinforcing financial concepts in an engaging manner where winners were awarded prizes, adding enthusiasm to the learning experience.

# PRESS:PIONEER

# आरबीआई क्षेत्रीय निदेशक ने एक्सआईएसएस में वित्तीय समावेशन और साक्षरता सत्र को किया सम्बोधित

फ्रीडम फाइटर संवाददाता

रांची : जेवियर इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की राष्ट्रव्यापी शैक्षिक पहल आरबीआई@90 के तहत वित्तीय समावेशन और साक्षरता पर एक जानकारीपूर्ण सत्र का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य पूरे भारत में 90 संस्थानों में वित्तीय जागरूकता फैलाना है। यह सत्र मंगलवार को संस्थान परिसर में प्रेम रंजन प्रसाद सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा लिया गया। सत्र के दौरान, श्री सिंह ने डिजिटल लेनदेन के इस दौर में वित्तीय साक्षरता की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भले ही भारत दुनिया के कुल डिजिटल लेनदेन का लगभग 48% योगदान देता है, लेकिन देश में केवल 27% आबादी के पास वित्तीय ज्ञान है और मात्र 17% छात्र ही पर्याप्त वित्तीय जागरूकता रखते हैं। यह अंतर दर्शाता है कि वित्तीय



शिक्षा की अत्यधिक आवश्यकता है। सत्र के दौरान, वित्तीय जागरूकता को आधुनिक युग की सबसे महत्वपूर्ण साक्षरता बताया गया। डिजिटल भुगतान और बढ़ते धोखाधड़ी मामलों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें विभिन्न धोखाधड़ी के उदाहरणों के साथ उनसे बचाव के उपाय भी बताए गए। एक अन्य सत्र में धोखाधड़ी से बचाव के उपायों पर जोर दिया गया, जिसमें प्रमुख सुरक्षा उपायों जैसे कि—

अज्ञात लिंक पर क्लिक न करना, ओटीपी या पासवर्ड साझा न करना, भुगतान प्राप्त करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन न करना, आदि पर चर्चा की गई।

**PRESS: FREEDOM FIGHTER**

# वित्तीय समावेशन और साक्षरता सत्र का आयोजन

**पंच संवाददाता**  
रांची। जेवियर इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल सर्विस एक्सआईएसएस, रांची ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की राष्ट्रव्यापी शैक्षिक पहल आरबीआई 90 के तहत वित्तीय समावेशन और साक्षरता पर एक जानकारीपूर्ण सत्र का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य पूरे भारत में 90 संस्थानों में वित्तीय जागरूकता फैलाना है। यह सत्र मंगलवार को संस्थान परिसर में प्रेम रंजन प्रसाद सिंह, क्षेत्रीय



निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा लिया गया। सत्र के दौरान, श्री सिंह ने डिजिटल लेनदेन के इस दौर में वित्तीय साक्षरता की अहम भूमिका पर

प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भले ही भारत दुनिया के कुल डिजिटल लेनदेन का लगभग 48% योगदान देता है, लेकिन देश में केवल 27% आबादी के

पास वित्तीय ज्ञान है और मात्र 17% छात्र ही पर्याप्त वित्तीय जागरूकता रखते हैं। यह अंतर दर्शाता है कि वित्तीय शिक्षा की अत्यधिक आवश्यकता है।



**PRESS:PUNCH**



# आरबीआई क्षेत्रीय निदेशक ने एक्सआईएसएस में वित्तीय समावेशन और साक्षरता सत्र को संबोधित किया

संवाददाता द्वारा

रांची। जेवियर इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की राष्ट्रीय शैक्षिक पहल आरबीआई@90 के तहत वित्तीय समावेशन और साक्षरता पर एक जानकारीपूर्ण सत्र का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य पूरे भारत में 90 संस्थानों में वित्तीय जागरूकता फैलाना है। यह सत्र मंगलवार को संस्थान परिसर में श्री प्रेम रंजन प्रसाद सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा लिया गया।



सत्र के दौरान, श्री सिंह ने डिजिटल लेनदेन के इस दौर में वित्तीय साक्षरता की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भले ही

भारत दुनिया के कुल डिजिटल लेनदेन का लगभग 48% योगदान देता है, लेकिन देश में केवल 27% आबादी के पास वित्तीय ज्ञान है और

मात्र 17% छात्र ही पर्याप्त वित्तीय जागरूकता रखते हैं। यह अंतर दर्शाता है कि वित्तीय शिक्षा की अत्यधिक आवश्यकता है। सत्र के दौरान, वित्तीय जागरूकता को आधुनिक युग की सबसे महत्वपूर्ण साक्षरता बताया गया। डिजिटल भुगतान और बढ़ते धोखाधड़ी मामलों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें विभिन्न धोखाधड़ी के उदाहरणों के साथ उनसे बचाव के उपाय भी बताए गए। एक अन्य सत्र में धोखाधड़ी से बचाव के उपायों पर जोर दिया गया, जिसमें प्रमुख सुरक्षा उपायों जैसे

कि-अज्ञात लिंक पर क्लिक न करना, ओटीपी या पासवर्ड साझा न करना, भुगतान प्राप्त करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन न करना, आदि पर चर्चा की गई। इसके अलावा, आरबीआई हेल्पलाइन नंबर (1930) और आधिकारिक वेबसाइट (www.rbi.org.in) को धोखाधड़ी को रोकथाम और समाधान के लिए प्रमुख संसाधन के रूप में उजागर किया गया। सत्र के अंत में, डॉ. अमर एरोन तिग्गा, डीन एकेडमिक्स, ने वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय साक्षरता को समझने के

महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को आरबीआई में सम्मेलन के अवसरों को खोज करने की भी सलाह दी। इस सत्र में आरबीआई कार्यालय के अधिकारी, श्री अरविंद एक्का, सहायक महाप्रबंधक, और श्री सोहन, प्रबंधक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन एक क्विज प्रतियोगिता के साथ हुआ, जिसने वित्तीय अवधारणाओं को रोचक तरीके से दोहराने में मदद की। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिससे छात्रों के लिए यह सीखने का एक उत्साहजनक अनुभव बन गया।

PRESS:Khabar Aajtak

[BREAKING NEWS](#)[LATEST NEWS](#)[कैंपस](#)[खबरें जरा हटके](#)[झारखण्ड](#)[बिजनेस](#)

## देश में केवल 27% आबादी के पास वित्तीय ज्ञान और मात्र 17% छात्र ही रखते हैं पर्याप्त वित्तीय जागरूकता : क्षेत्रीय निदेशक, आरबीआई

📅 March 11, 2025    👤 Lens Eye News    💬 Comment(0)

राची, झारखण्ड | मार्च | 11, 2025 ::

जेवियर इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची ने भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की राष्ट्रव्यापी शैक्षिक पहल " आरबीआई@90" के तहत वित्तीय समावेशन और साक्षरता पर एक जानकारीपूर्ण सत्र का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य पूरे भारत में 90 संस्थानों में वित्तीय जागरूकता फैलाना है। यह सत्र मंगलवार को संस्थान परिसर में प्रेम रंजन प्रसाद सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा लिया गया।

सत्र के दौरान, श्री सिंह ने डिजिटल लेनदेन के इस दौर में वित्तीय साक्षरता की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भले ही भारत दुनिया के कुल डिजिटल लेनदेन का लगभग 48% योगदान देता है, लेकिन देश में केवल 27% आबादी के पास वित्तीय ज्ञान है और मात्र 17% छात्र ही पर्याप्त वित्तीय



27% आबादी के पास वित्तीय ज्ञान है और मात्र 17% छात्र ही पर्याप्त वित्तीय जागरूकता रखते हैं। यह अंतर दर्शाता है कि वित्तीय शिक्षा की अत्यधिक आवश्यकता है।

सत्र के दौरान, वित्तीय जागरूकता को आधुनिक युग की सबसे महत्वपूर्ण साक्षरता बताया गया। डिजिटल भुगतान और बढ़ते धोखाधड़ी मामलों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें विभिन्न धोखाधड़ी के उदाहरणों के साथ उनसे बचाव के उपाय भी बताए गए। एक अन्य सत्र में धोखाधड़ी से बचाव के उपायों पर जोर दिया गया, जिसमें प्रमुख सुरक्षा उपायों जैसे कि—

अज्ञात लिंक पर क्लिक न करना, ओटीपी या पासवर्ड साझा न करना, भुगतान प्राप्त करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन न करना, आदि पर चर्चा की गई। इसके अलावा, आरबीआई हेल्पलाइन नंबर (1930) और आधिकारिक वेबसाइट ([www.rbi.org.in](http://www.rbi.org.in)) को धोखाधड़ी की रोकथाम और समाधान के लिए प्रमुख संसाधन के रूप में उजागर किया गया।

सत्र के अंत में, डॉ. अमर एरोन तिग्गा, डीन एकेडेमिक्स, ने वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय साक्षरता को समझने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को आरबीआई में समर इंटर्नशिप के अवसरों की खोज करने की भी सलाह दी।

इस सत्र में आरबीआई कार्यालय के अधिकारी, श्री अरविंद एक्का, सहायक महाप्रबंधक, और श्री सोहन, प्रबंधक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन एक क्विज़ प्रतियोगिता के साथ हुआ, जिसने वित्तीय अवधारणाओं को रोचक तरीके से दोहराने में मदद की। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिससे छात्रों के लिए यह सीखने का एक उत्साहजनक अनुभव बन गया।

**PRESS:LENSEYE NEWS**



राची, झारखण्ड | मार्च | 11, 2025 ::

आरबीआई क्षेत्रीय निदेशक ने एक्सआईएसएस में वित्तीय समावेशन और साक्षरता सत्र को संबोधित किया ज़ेवियर इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची ने भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की राष्ट्रव्यापी शैक्षिक पहल "आरबीआई@90" के तहत वित्तीय समावेशन और साक्षरता पर एक जानकारीपूर्ण सत्र का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य पूरे भारत में 90 संस्थानों में वित्तीय जागरूकता फैलाना है। यह सत्र मंगलवार को संस्थान परिसर में प्रेम रंजन प्रसाद सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा लिया

गया।

सत्र के दौरान, श्री सिंह ने डिजिटल लेनदेन के इस दौर में वित्तीय साक्षरता की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भले ही भारत दुनिया के कुल डिजिटल लेनदेन का लगभग 48% योगदान देता है,



डिजिटल लेनदेन का लगभग 48% योगदान देता है, लेकिन देश में केवल 27% आबादी के पास वित्तीय ज्ञान है और मात्र 17% छात्र ही पर्याप्त वित्तीय जागरूकता रखते हैं। यह अंतर दर्शाता है कि वित्तीय शिक्षा की अत्यधिक आवश्यकता है।

सत्र के दौरान, वित्तीय जागरूकता को आधुनिक युग की सबसे महत्वपूर्ण साक्षरता बताया गया। डिजिटल भुगतान और बढ़ते धोखाधड़ी मामलों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें विभिन्न धोखाधड़ी के उदाहरणों के साथ उनसे बचाव के उपाय भी बताए गए। एक अन्य सत्र में धोखाधड़ी से बचाव के उपायों पर जोर दिया गया, जिसमें प्रमुख सुरक्षा उपायों जैसे कि—

अज्ञात लिंक पर क्लिक न करना, ओटीपी या पासवर्ड साझा न करना, भुगतान प्राप्त करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन न करना, आदि पर चर्चा की गई। इसके अलावा, आरबीआई हेल्पलाइन नंबर (1930) और आधिकारिक वेबसाइट ([www.rbi.org.in](http://www.rbi.org.in)) को

धोखाधड़ी की रोकथाम और समाधान के लिए प्रमुख संसाधन के रूप में उजागर किया गया।

सत्र के अंत में, डॉ. अमर एरोन तिग्गा, डीन एकेडेमिक्स, ने वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय साक्षरता को समझने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को आरबीआई में समर इंटरनशिप के अवसरों की खोज करने की भी सलाह दी।

इस सत्र में आरबीआई कार्यालय के अधिकारी, श्री अरविंद एक्का, सहायक महाप्रबंधक, और श्री सोहन,

इस सत्र में आरबीआई कार्यालय के अधिकारी, श्री अरविंद एक्का, सहायक महाप्रबंधक, और श्री सोहन, प्रबंधक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन एक क्विज़ प्रतियोगिता के साथ हुआ, जिसने वित्तीय अवधारणाओं को रोचक तरीके से दोहराने में मदद की। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिससे छात्रों के लिए यह सीखने का एक उत्साहजनक अनुभव बन गया।

**PRESS:NEWSROOM**